CIJ-01/DFJK-01

June - Examination 2026

Certificate in Falit Jyotish Examination

फलित ज्योतिष में प्रमाण–पत्र

फलित ज्योतिष का सैद्धान्तिक ज्ञान

Paper : CIJ-01/DFJK-01

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **100***]

निर्देश :– यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' **10×2=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. (i) एक राशि कितने अंशों की होती है?

(ii) प्रत्यरि नक्षत्र किसे कहते हैं?

(iii) सोने के पाये में कौनसे नक्षत्र होते हैं?

(iv) अग्नितत्त्वीय राशियों के नाम लिखिए।

(v) मिथुन राशि के राशि स्वामी का नाम लिखिए।

(vi) होरा की अवधि कितने घण्टे की होती है?

(vii) पंचांग में कुल कितने योग माने गए हैं?

(viii) करण ज्ञात करने का सूत्र लिखिए।

(ix) बुध किस राशि में नीच स्थिति में होता है?

(x) बृहस्पति अपने स्थान से किस स्थान को देखते हैं?

खण्ड–'ब' 4×10=40

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **10** अंक का है।

2. रोहिणी नक्षत्र का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

3. चर, स्थिर एवं द्विस्वभाव राशियाँ बताइए।

4. मेष राशि का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

5. चर एवं स्थिर करणों को समझाइए।

6. सूर्य ग्रह का ज्योतिषीय परिचय लिखिए।

7. पंचधा मैत्री का संक्षिप्त वर्णन करें।

8. कुण्डली के शुभ एवं अशुभ भावों को समझाइए।

9. कुण्डली के बारह भावों के सामूहिक नामों को लिखिए।

खण्ड–'स' 2×20=40

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

10. वैदिक काल में ज्योतिष सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।

11. लग्न एवं बारह भावों का उल्लेख करते हुए बृहस्पति के कारकत्व वर्णन कीजिए।

12. मंगल के कुण्डली में बारह घरों में फलादेश का वर्णन कीजिए।

13. ज्योतिष में आजीविका विचार पर एक विशद लेख लिखिए।
